विभागीय वार्षिक योजना

ललित कला एवं संगीत विभाग,

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर

ललित कला एवं संगीत विभाग, आगामी वार्षिक योजना के अंतर्गत दृश्यकला एव मंचकला हेतु नवीन पाठ्यक्रम जो राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण संस्थानों में पढाये जाते हैं किन्तु दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर के ललित कला एवं संगीत विभाग में सन 1958 से लेकर अबतक जिस पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाता है इसी आधार पर आगामी वार्षिक योजना के अंतर्गत संकाय के रूप में नवीन पाठ्यक्रम को जो दृश्य कला एव मंचकला विषय हेतु बनाया गया था उसका सम्यकरूपेण अध्ययन / अध्यापन का सन्चालन करना,शासन द्वार आदेशित योजनाओं को समय –समय पर आयोजित करना,रोजगार मेले का आयोजन करना कौशल विकास के लिए समय – समय पर राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के कलाकार- विद्वानों द्वरा कलागत कार्यशाला / संगोष्ठी कराना, ललितकलाओं में रोजगार परक योजनाओं को सम्मलित करना,कला/क्राफ्ट मेला,टेराकोटा,मूर्तिकला,पेंटिंग,पोस्टर,टेक्सटाइल,फोटोग्राफी,संगीत,लोक संगीत तथा शास्त्रीय संगीत,गायन-वादन, के कला और कलाकारों को राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना | उक्त से सम्बंधित तमाम प्रकार की प्रतियोगिताओं को आयोजित करना, जिससे आर्थिक और सामाजिक स्तर में सुधर हो सके और समाज से जुड़ सके | उपरोक्त विषयों को आगामी वार्षिक योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों कों सुलभ करा सकें |